माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश

कक्षा 12वीं

भूगोल
2008–2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

सर्वाधिकार सुरक्षित माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यपदेश, भोपाल

पाठ्यक्रम समीक्षा – वर्ष 2008–09

XII भूगोल (प्रबोध भूगोल)

(प्रबोध एन्ड कम्पनी प्रा.लि. रायपुर)

मानव जीवन से घनिष्ट रूप से जुडे भूगोल विषय का ज्ञान का दायरा काफी विस्तृत है। विद्यार्थियों का इस विषय के सैद्धान्तिक, व्यावहारिक तकनीकी पक्ष का ज्ञान देकर मोनवीय मेधा को विस्तृत करने का प्रयास पाठ्यपुस्तक के माध्यम से किया गया है। विद्यार्थी ज्ञान के विविध पक्षों को समझ कर अपने कौशल में वृद्धि कर सकते है। पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित विभिन्न इकाइयों का संक्षिप्त विश्लेषण इस समीक्षा के माध्यम से किया जा रहा है।

पाठ्यपुस्तक का निर्माण पाठ्यक्रम अनुसार ही किया गया है। पुस्तक में यथा स्थान मानचित्र, रेखाचित्र आदि दिए गये है। जो विषय सामग्री को सरल, बोधगम्य बनाने में सहायक है।

पुस्तक की भाषा सरल है, पुस्तक में कठिन शब्दों का प्रयोग काफी कम है। किन्तु सारणी तथा आंकड़ो से विषय की दुरूहता बड़ी है तो उनकी तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से उपयोगिता भी है। पुस्तक में भौगोलिक शब्दावली का प्रयोग किया गया है।

विषय को सरल तथा ग्राह्यता हेतु महत्वपूर्ण बिन्दुओं को अलग बाक्स में प्रदर्शित किया गया है। अध्ययन की दृष्टि से यह उत्तम प्रयास है।

पाठ के अन्त में अभ्यास के वस्तुनिष्ठ, अति लघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय तथा दीर्घउत्तरीय (निबन्धात्मक) प्रश्नों को लिखा गया है। किन्तु विद्यार्थियों के अभ्यास के लिए रिक्त मानचित्र पुस्तक में नहीं है।

पुस्तक पाठ्यक्रम आधारित है विद्यार्थियों के अध्ययन व सफलता की दृष्टि से उत्तम है। पुस्तक पाठ्यक्रम को सम्पूर्णता प्रदान करती हैं।

<u>प्रस्तावना</u>

भूगोल विषय के शिक्षण को सरल, बौध–गम्य बनाने के लिए निर्धारित पाठ्य सामग्री की विभिन्न इकाइयों से, वस्तुनिष्ठ, लघु–उत्तरीय, व दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों को लेकर आदर्श प्रश्न–पत्र तथा उन्ही प्रश्नों के आदर्श उत्तर विद्यार्थी की सहायता हेतु तैयार किया गया है।

आदर्श प्रश्न–पत्र तथा आदर्श उत्तर की सहायता से विद्यार्थी परीक्षा में आने वाले प्रश्नो का पूर्वानुमान लगा सकेंगे। उनको परीक्षा का भय दूर होगा। विषय में अधिकतम अंक लाने हेतु रूचि बढ़ेगी, वे अधिक आत्मविश्वास से परीक्षा दे सकेंगे।

उपरोक्त विषय सामग्री की सहायता से छात्रों के ज्ञान के प्रयोग और कुशलताओं में वृद्धि होगी। छात्र विषय सामग्री को प्रश्न–पत्र पद्धति के अनुसार समायोजित कर सफलता हेतु प्रयास कर सकेंगे।

साथ ही अध्यापक वर्ग उपरोक्त सामग्री की सहायता तथा स्वयं के ज्ञान कौशल, तथा सुझावों के माध्यम से शिक्षण को सरल, सुबोध, तथ्यपरक बनाकर विद्यार्थियों की सफलता श्रेष्ठता में वृद्धि का गुरूतर दायित्व निर्वाह कर सकेंगे। सैद्धांन्तिक ज्ञान के साथ–साथ विषय का प्रायोगिक पक्ष को भी प्रशिक्षण विद्यार्थी को प्रदान कर विषय को पूर्णता प्रदान करेंगे।

प्रश्न – पत्र ब्लूप्रिन्ट

BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– **XII** परीक्षा : हायर सेकण्डरी पूर्णांक :– 10

विषय :– भूगोल समय : 3 घण्टे

स.क्र.	इकाई	इकाई पर आंवटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	
1.	**खण्ड अ** – मानव भूगोल के सिद्धांत –मानव भूगोल – प्रकृति एवं विषय क्षेत्र	03	03	–	–	–	–
2.	लोग	05	–	–	1	–	1
3.	मानव आवास	04	–	1	–	–	1
4.	मानवीय क्रिया – कलाप	10	5	–	1	–	1
5.	परिवहन, संचार एवं व्यापार	10	1	1	*1	–	2
6.	**खण्ड – ब** भारत लोग एवं अर्थव्यवस्था – जनसंख्या	05	1	1	–	–	1
7.	मानव आवास	04	–	1	–	–	1
8.	संसाधन एवं विकास	20	9	–	1	1	2
9.	परिवहन, संचार एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार	10	1	1	1	–	2
10.	चुने हुए बिन्दुओं एवं समस्याओं पर भौगोलिक चिन्तन	04	–	1	–	–	1
	योग =	**75**	**(20) = 4**				**12+4=16**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 4 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।

2. * इकाई क्रमांक 5 में 5 अंक का एक प्रश्न विश्व मानचित्र पूर्ति हेतु निर्धारित हैं।

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।

4. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न।

आदर्श प्रश्न–पत्र

कक्षा–12

विषय – भूगोल

समय : 3 घंटा **अंक : 75**

नोटः–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से प्रश्न क्रमांक 4 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए है।
2. प्रश्न क्रमांक 5 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न में आन्तरिक विकल्प दिए गए है।
3. आवश्यकतानुसार रेखाचित्र एवं मानचित्र का प्रयोग करें।
4. प्रश्न क्रमांक 13 में विश्व मानचित्र की पूर्ति की जानी हैं।
5. प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख दर्शाये गये हैं।

प्रश्न क्र. 1. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(I) एन्थ्रोपोज्योग्राफी नामक ग्रन्थ के लेखक .... भूगोलवेत्ता थे।

(II) कपास से सूती वस्त्र बनाना .... क्रियाकलाप कहलाता हैं।

(III) स्वेज नहर .... सागर को लाल सागर से जोड़ती है।

(IV) चावल उत्पादन में .... राज्य का प्रथम स्थान है।

(IV) भारतीय उप महाद्वीप का सुनहरा रेशा .... को कहा जाता है।

प्रश्न क्र. 2. एक शब्द में उत्तर दीजिए।

1. मानव भूगोल का जनक किसे कहा जाता है ?
2. आधार भूत उद्योग का एक उदाहरण दीजिए ?
3. 2001 की जनगणना के अनुसार भारत का जनसंख्या कितना हैं ?
4. नहरों से सबसे अधिक सिंचाई किस राज्य में होती है ?
5. दक्षिण भारत में सिंचाई का सर्वाधिक प्रचालित कौनसा साधन हैं ?

प्रश्न क्र. 3. जोड़ी बनाओं

(अ)		(ब)	
(I)	चार्ल्स डार्विन	(I)	वाटर हारवेस्टिंग
(II)	बॉक्साइट	(II)	बाम्बे हाई
(III)	वर्षा जल संग्रहण	(III)	कोलार
(IV)	पेट्रोलियम उत्पादन	(IV)	ओरिजिन ऑफ स्पीशीज
(V)	सोने की खान	(V)	एल्यूमिनियम

प्रश्न क्र. 4. बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1 सही विकल्प का चयन करें।

(1) निम्न में से कौन–सी फसल व्यावसायिक कृषि में आती हैः–

(I) रबड़ (II) गेहूं (III) चना (IV) चावल

(2) उत्तम श्रेणी का कोयला कौन सा है ?

(I) पीट (II) एन्थ्रेसाइट (III) बिटूमिनस (IV) लिगनाइट

(3) लोहा उत्पादक सर्व प्रमुख राज्य हैं।

(I) झारखण्ड (II) मध्यप्रदेश (III) छतीसगढ़ (IV) कर्नाटक

(4) 'भारत का रूर कहाँ जाता है।

(I) मुम्बई – पुणे क्षेत्र (II) हुगली – क्षेत्र

(III) दामोदर घाटी क्षेत्र (IV) अहमदाबाद–बडौदा क्षेत्र

(5) वर्तमान में भारत में कितने अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं ?

(I) सात (II) पाँच (III) दस (IV) ग्यारह

प्रश्न क्रमांक 5 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अंक निर्धारित

प्रश्न. 5. ग्रामीण बस्तियों की कोई 4 विशेषताएं लिखिए ?

अथवा

नगरीय क्षेत्र की कोई 4 समस्याए बतलाइए ?

प्रश्न 6. समुद्री जल परिवहन का महत्व बतलाइए ?

अथवा

पनामा व स्वेज नहर की 4 बिन्दुओं द्वारा तुलना कीजिए ?

प्रश्न.7. कार्यरत व अकार्यरत जनसंख्या से क्या आशय है स्पष्ट करें ?

अथवा

भारत में लिंगानुपात कम होने के कारण बतलाइए ?

प्रश्न.8. ग्रामीण बस्तियों के प्रमुख प्रतिरूपों के नाम लिखकर किसी एक प्रतिरूप का सचित्र वर्णन करें ?

अथवा

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या में प्रमुख 4 अंतर लिखिए ?

प्रश्न..9. भारत में उपग्रह संचार का महत्व बतलाइए ?

अथवा

"सड़के भारत के अर्थतंत्र की जीवनदायिनी शिराए है" क्यों स्पष्ट करें ?

प्रश्न.10. जल को प्रदूषित करने वाले किन्ही 4 कारकों के नाम लिखकर किसी एक को स्पष्ट करें ?

अथवा

वायु प्रदूषण किस प्रकार होता है समझाइए ?

प्रश्न क्रमांक .11 से प्रश्न 15 तक प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है:—

प्रश्न.11. जनसंख्या घनत्व किसे कहते है विश्व के सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व के क्षेत्रों को बतलाइए ?

अथवा

प्रश्न. 11. प्रवास से क्या आशय है प्रवास के प्रमुख प्रकारों का संक्षिप्त में वर्णन करें ?

प्रश्न. 12. द्वितीयक व्यवसाय किसे कहते है इसकी प्रमुख 4 विशेषताएं लिखिए ?

अथवा

ब्रिटेन के लंकाशायर क्षेत्र में सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रीयकरण के कारण बतलाइए ?

प्रश्न 13 विश्व मानचित्र प्रश्न

विश्व के मानचित्र (सीमाकार) में निम्न को दर्शाइए

(I) ट्रांस साइवेरियन रेलमार्ग

(II) पनामा नहर

(III) हिन्द महासागर

(IV) न्यूयार्क बंदरगाह

(V) पालम (इंदिरा गांधी) हवाई अड्डा (दिल्ली)

विश्व के सीमाकार मानचित्र में प्रदर्शित करें:–

(I) केनेडियन पेसेफिक रेलमार्ग

(II) अंध महासागर

(III) स्वेज नहर

(IV) लंदन बंदरगाह

(V) कलपक्कम (चेन्नई) हवाई अड्डा

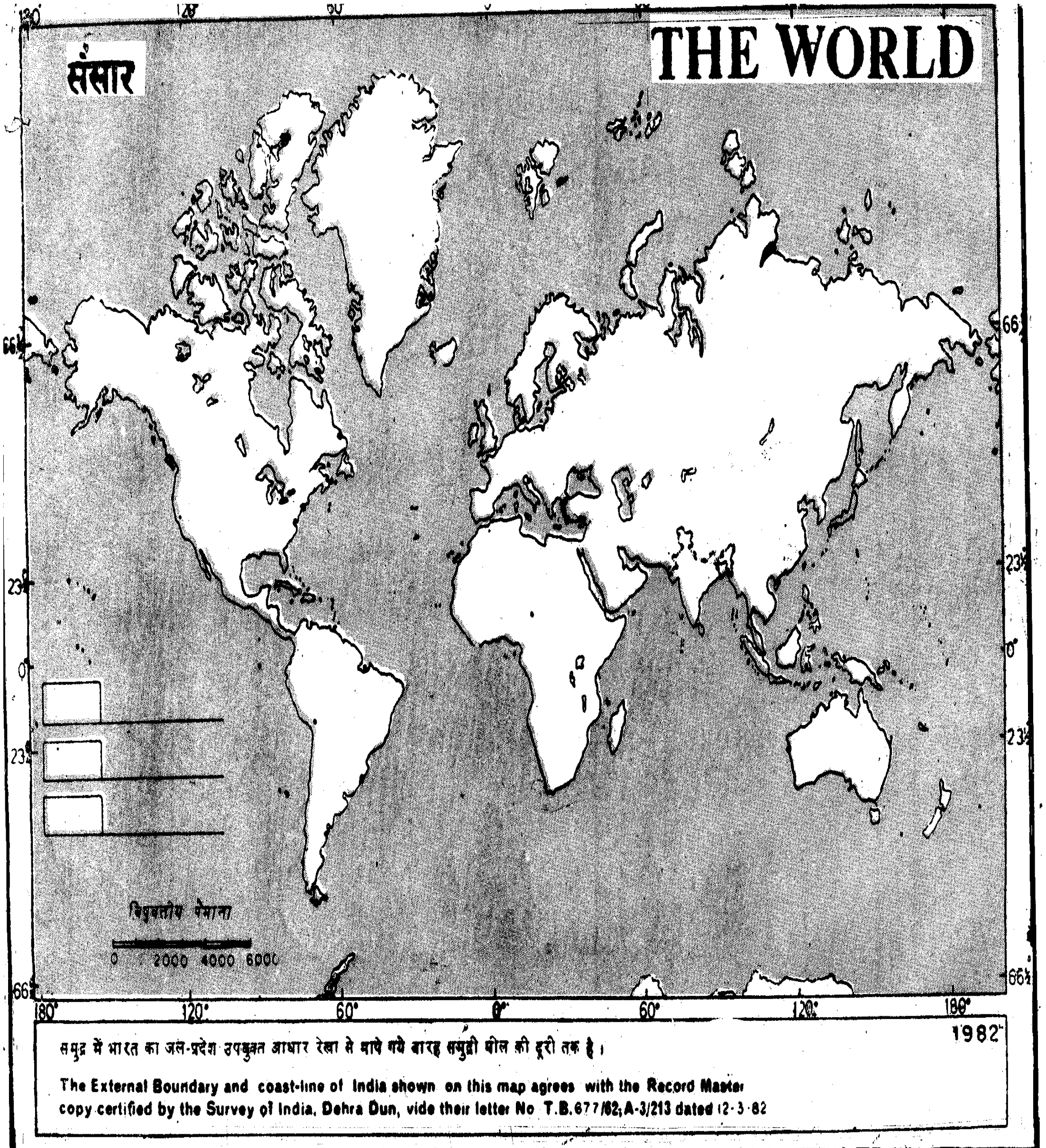

PUBLISHED BY : Baba Copy House (M.P.)

प्रश्न 14 भारत के लोह अयस्क उत्पादक क्षेत्रों का विवरण दीजिए ?

अथवा

भारत में चावल उत्पादन के लिए आवश्यक भौगोलिक दशाओं व उत्पादक क्षेत्रों का विवरण बतलाइए ?

प्रश्न 15 भारत के विदेशी व्यापार को प्रमुख विशेषताए लिखिए ?

अथवा

मुम्बई बंदरगाह का रेखाचित्र बनाते हुए इस बंदरगाह की प्रमुख विशेषताएं लिखिए?

प्रश्न 16 भारत के प्रमुख औद्योगिक संकुलो के नाम लिखकर किसी एक औद्योगिक संकुल का विस्तार से वर्णन कीजिए ?

अथवा

ऊर्जा के परंपरागत एवं गैर परांपरागत ऊर्जा स्रोतो का तुलनात्मक अध्ययन करें ?

आदर्श – उत्तर

कक्षा : XII
विषयः भूगोल

समयः 3 घंटा **पूर्णांकः 75**

प्रश्न.1. रिक्त स्थान : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(I) रेटजेल

(II) द्वितीयक

(III) भूमध्य (सागर)

(IV) प. बंगाल

(V) जूट (प्रत्येक सही रिक्तो पर एक अंक आवंटित है)

प्रश्न 2. एक शब्द उत्तर वाला : वस्तुनिष्ट प्रश्न

(I) फ्रेडरिक रेटजेल

(II) लोह इस्पात उद्योग या इंजीनियरिंग उद्योग

(III) 324 व्यक्ति /वर्ग कि.मी.

(IV) उत्तर प्रदेश

(V) तालाब (प्रत्येक सही उत्तर पर एक अंक दिया जावे)

प्रश्न 3. सही जोड़िया : वस्तुनिष्ट प्रश्न

	I	II
(I)	चार्ल्स डार्विन	ओरीजिन आफ स्पीसीज
(II)	बाक्साइट	एल्यूमीनियम
(III)	वर्षा जल संग्रहण	वाटर हार्वेस्टिंग
(IV)	पेट्रोलियम उत्पादन	बाम्बे हाई
(V)	सोने की खान	कोलार

(प्रत्येक सही जोडी पर एक अंक प्रदान करें)

प्रश्न 4. **बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न**

प्रत्येक सही विकल्प : उत्तर

(I) रबर

(II) एन्थ्रेसाइट

(III) झारखंड

(IV) दामोदर घाटी क्षेत्र

(V) 11

(प्रत्येक सही विकल्प पर एक अंक दिया जावे)

प्रश्न 5.

आदर्श उत्तरः– **ग्रामीण बस्तियाँ : 4 विशेषताए**

(I) प्राथमिक कार्य करने वाली जनसंख्या जिस आवासों में रहती है ग्रामीण
बस्तियाँ कहलाती है।

(II) ये बस्तियाँ दूर–दूर व खुले कच्चे मकानों वाली होती है।

(III) इन बस्तियों के रहवासी कृषि व पशुपालन कार्य में संलग्न रहते है।

(IV) अधिकांश ग्रामीण बस्तियाँ कच्ची मिट्टी व छप्पर वाली होती है।

(V) इन बस्तियों में मूलभूत सुविधाएं नही के बराबर होती है।

(VI) अधिकांशतः इन बस्तियाँ में कच्ची सड़के पाई जाती है।

(प्रत्येक सही विशेषता पर एक अंक दिया जावे)

अथवा

प्रश्न 5.

आदर्श उत्तरः– **नगरीय क्षेत्र की 4 समस्याएः–**

साधारणतः नगरीय बस्तियों में निम्न समस्याएं पाई जाती हैंः–

(I) आवास की समस्या

(II) बेरोजगारी की समस्या

(III) परिवहन की समस्या

(IV) गंदी बस्तियों (झुग्गी बस्तियों) की वृद्धि

(V) प्रदूषण

(VI) शुद्ध पेयजल की समस्या आदि (4) समस्याए लिखकर उनको समझाने पर पूर्ण 4 अंक दिए जावे।

प्रश्न 6.

उत्तर :– **समुद्री जल परिवहन का महत्वः–**

जल परिवहन में समुद्री जल मार्गो का अत्यधिक महत्व है। वर्तमान अन्तराष्ट्रीय व्यापार का अधिकांश भाग समुद्री मार्गो द्वारा ही होता है। इस प्रकार समुद्री जल–मार्ग वर्तमान आर्थिक विकास का आधार स्तंभ है। संसार के विभिन्न महाद्वीपों को जोड़ने एवं विभिन्न देशों को निकट लाने का श्रेय भी समुद्री जल मार्गो को है।

समुद्री जल परिवहन प्राकृतिक है। इनको बनाने हेतु सड़क व रेल मार्ग की भांति भारी धन राशि खर्च करना आवश्यक नही साथ ही मेंटेनेन्स की भी आवश्यकता नहीं है। ये जल मार्ग सभी दिशाओं में चलायमान होते है। रेल व सड़क परिवहन की अपेक्षा इस परिवहन में माल ढोने की क्षमता सर्वाधिक होती है। यद्यपि समुद्री परिवहन बहुत धीमा परिवहन का साधन है तथापि यह सर्वाधिक सस्ता व सर्वाधिक उपयोगी माल परिवहन का श्रेष्ठतम साधन है। विश्व का 90% माल परिवहन समुद्री जल परिवहन द्वारा ही किया जाता है। समुद्री जल परिवहन स्वतंत्र आधिपत्य वाले होते है। इसका उपयोग कोई भी देश कर सकता है।

(सही महत्व बतलाने पर पूर्ण अंक 4 दिये जावे)

अथवा

प्रश्न 6.

आदर्श उत्तरः–

स.क्र.	पनामा नहर	स्वेज नहर
01.	यह नहर अटलांटिक महासागर को प्रशान्त महासागर से जोड़ती है।	**01.** यह नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है।
02	यह नहर 82 कि.मी. लम्बी है। इसकी चौडाई 100 से 300 मीटर तथा गहराई (औसत) 12 मीटर है।	**02.** यह नहर 156 कि.मी. है तथा इसकी चौड़ाई 50 मीटर तथा औसत गहराई 11 मीटर है।

03.	इस नहर से सर्वाधिक लाभ U.S.A. को प्राप्त हुआ है।	**03.** इस नहर से यूरोप व एशिया महाद्वीप अत्यंत निकट हो गए है।
04.	इस नहर को पार करने में जहाज को 10 से 12 घंटे लगते हैं।	**04.** इस नहर को पार करने में एक छोटे जहाज को 15 घंटे लग जाते है।
05.	यह नहर U.S.A के नियंत्रण में हैं।	**05.** यह नहर मिश्र देश के नियंत्रण में है।

सही तुलना करने पर पूर्ण 04 अंक देवे।

प्रश्न. 7.

उत्तरः— **कार्यरत व अकार्यरत जनसंख्या**

कार्यरत जनसंख्या :— शारीरिक अथवा मानसिक रूप से 15 वर्ष से 59 वर्ष की आयु समूह वाली जनसंख्या जो आर्थिक रूप से उत्पादक कार्य में लगी हुई हो, कार्यरत या अर्जक जनसंख्या कहलाती है। जिस देश में अर्जक जनसंख्या का समूह बड़ा होता है वह राष्ट्र तीव्रता से उन्नति करता है। **अकार्यरत जनसंख्या :—** जो आयु समूह आर्थिक रूप से उत्पादक कार्यो में संलग्न नहीं रहते है अर्थात रोजगार नही करते हैं। **अकार्यरत जनसंख्या या आश्रित जनसंख्या कहलाती है।** यह अकार्यरत जनसंख्या 00 (शून्य) से 14 वर्ष आयु वर्ग वाली तथा 60 वर्ष या अधिक आयु वर्ग (वृद्ध जनसंख्या) वाली कहलाती है।

(सही रूप से दोनो जनसंख्या लिखने पर पूर्ण 4 अंक दिए जावें।)

अथवा

प्रश्न 7.

आदर्श उत्तरः— भारत में लिगानुपात कम होने के कारणः—

(1) भारत में पुरूषों को समाज में महिलाओं से अधिक ऊंचा स्थान प्राप्त है। (पुरूष प्रधान समाज)

(2) नर बालकों की अपेक्षा बालिकाओं के पालन पोषण व शिक्षा पर कम ध्यान दिया जाता है।

(3) संविधान में लिंग परीक्षण पर कानूनी रोक के बावजूद लड़कियों की भ्रूण हत्या की जाती है।

(4) प्रसव के समय या प्रसव उपरांत अनेक ग्रामीण महिलाओं की स्वास्थ्य परीक्षण उपचार की न्यूनता के कारण मृत्यु हो जाती है।

(5) महिलाओं को घर संसार तक सीमित रखा जाता है उन्हें ऊची शिक्षा, रोजगार आदि से दूर रखने का प्रयत्न किया जाता है।

(6) लड़कियों की अपेक्षा लड़के की चाहत महिला लिगानुपात कमी का सबसे बड़ा कारण है।

(सही उत्तर पर पूर्ण अंक दिए जावे)

प्रश्न. 8.

उत्तरः— **ग्रामीण बस्तियों के प्रमुख प्रतिरूपः—**

- **(I) रेखीय प्रतिरूप**
- **(II) चौका पट्टी या आयताकार प्रतिरूप**
- **(III) वृत्तीय प्रतिरूप**
- **(IV) तीरनुमाप्रतिरूप**
- **(V) अरीय प्रतिरूप**
- **(VI) त्रिभुजाकर प्रतिरूप**
- **(VII) तारा प्रतिरूप**
- **(VIII) सीढ़ीनुमा प्रतिरूप**
- **(IX) पंखा नुमा प्रतिरूप**

किसी एक प्रतिरूप का सचित्र वर्णव :—

(1) रेखीय प्रतिरूपः— जब गाँव किसी नदी सड़क या नहरों के किनारे बसा होता है तब रेखीय प्रतिरूप बनता है। इस प्रतिरूप में बस्ती नदी, सड़क या नहरों के समानान्तर एक पंक्ति में बने होते है। सड़क के दोनो और आमने सामने मकान होते है। गाँव का आकार एक रेखा की भांति लम्बा होता है। इसलिए इसे रेखीय प्रतिरूप अधिवास कहते है।

(उपरोक्त अनुसार ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप तथा किसी एक का सचित्र वर्णन पर 2+2 अंक दिए जावे)

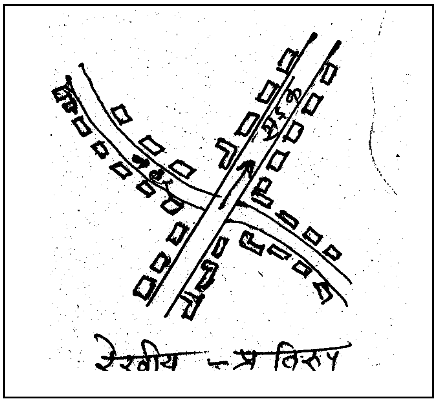

अथवा

प्रश्न 8

आदर्श उत्तर :

स.क्र	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
1.	ग्रामीण जनसंख्या गावों में रहती है।	नगरीय जनसंख्या, कस्बों, नगरों व महानगरों मे निवास करती हैं।
2.	गांव की आवासीय संरचना अव्यवस्थित होती हैं।	नगरीय आवासीय संरचना व्यवस्थित होती है।
3.	अधिकांश ग्रामीण जनसंख्या कृषि एवं पशुपालन व्यवसाय मे लगी रहती है	अधिकांश नगरीय जनसंख्या द्वितीय एवं तृतीयक व्यवसाय में लगी रहती है।
4.	गावों में आवास समस्या नही प्रदूषण समस्या नही।	नगरों में आवास एवं प्रदूषण बड़ी समस्याए है।
	ग्रामीण जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या
5.	ग्रामीण जनसंख्या सीधी सरल व मिलनसार होती है।	नगरीय जनसंख्या चालाक, मतलबी, व चमक–दमक वाली (दिखावा) होती है।
6.	ग्रामीण जनसंख्या बस्तियों में मूलभूत आवश्यकताओं की अत्यंत कमी।	नगरीय बस्तियों में सभी साधन सम्पन्नता पाई जाती है।
7.	यहां की जनसंख्या में घनिष्ठ मधुर संबंध होते है।	यहां की जनसंख्या में संबंध औपचारिक (दिखावा मात्र) होते हैं।

उपरोक्त से 4 बिन्दु लिखने पर 4 अंक दिये जावे।

प्रश्न 9. **भारत में उपग्रह संचार का महत्व :–**

आदर्श उत्तरः– उपग्रह संचार मानव बुद्धि का एक अनोखा चमत्कार पूर्ण आविष्कार है। इसमें सोरग्रह पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह चन्द्रमा की भांति विशेष वैज्ञानिक तकनीक द्वारा मानव निर्मित कृत्रिम उपग्रह का प्रयोग किया जाता हैं। कृत्रिम उपग्रहो को

शक्तिशाली राकेटो की सहायता से अंतरिक्ष में स्थापित किया जाता है। ये उपग्रह आवश्यकतानुसार पृथ्वी से कुछ सौ कि.मी. से लेकर कई हजार कि.मी. की ऊचांई पर स्थापित किए जाते है। जहां से यह फिर अपनी निर्धारित कक्षा में पृथ्वी की परिक्रमा करते रहते है। इन कृत्रिम उपग्रहो पर अति संवेदनशील शक्तिशाली टेलीविजन, सौर पट्टिकाएं व अन्य आवश्यक नियंत्रित उपकरण लगे रहते है जिन्हे पृथ्वी से नियंत्रित कर आवश्यक सूचनाएं प्राप्त की जाती है।

इन्हीं उपग्रहो द्वारा रेडियों, टेलीविजन, टेलीफोन सेवा, वेतार प्रसारण, मौसम विज्ञान, दूर संचार सेवा, अर्न्तराष्ट्रीय सम्पर्क सूत्र, टेलक्स, यातायात नियंत्रण आदि की सुविधा प्राप्त होती हैं।

इनके द्वारा बाढ़, तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप व भूस्खलन जैसी राष्ट्रीय दुर्घटनाओं की तत्काल जानकारी प्राप्त हो सकती है।

(संपूर्ण महत्व स्पष्ट होने पर 4 अंक देवे)

अथवा

प्रश्न 9.

आदर्श उत्तरः— सड़के भारत के अर्थ तंत्र की जीवन दायिनी शिरायेः—

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यद्यपि हमारे देश में सड़क निर्माण को दिशा में काफी प्रगति हुई है किन्तु विश्व के विकसित देशो की तुलना में अभी भी हमारा देश बहुत पिछड़ा हुआ है। इस समय देश में 33 लाख कि.मी. लम्बी सड़के है। इनमे से आधी पक्की है। देश की सड़कों की सघनता 12.5 है जो कि काफी कम है। पक्की सड़को का सबसे अधिक घनत्व पंजाव, हरियाणा, दिल्ली, केरल व तमिलनाडु में पाया जाता है। भारतीय सड़के भारत की 100 करोंड़ से अधिक जनसंख्या को देश के कोने कोने व ग्राम, ग्राम तक पहुचाने व माल ढोने का एक महत्वपूर्ण परिवहन साधन है। इसी कारण इन्हें भारतीय अर्थतंत्र की जीवनदायिनी शिराए भी कहा जाता है। जैसे शिराए शरीर (मानव) को जीवन प्रदान करती है रूधिर का परिवहन कर सम्पूर्ण शरीर को जीवित रखती है उसी प्रकार भारतीय राष्ट्र को समस्त सड़कों रूपी शिराएं जीवन प्रदान कर राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करती है।

(उपरोक्त अनुसार सड़कों का महत्व लिखने पर 4 अंक दिये जावे)

प्रश्न 10

आदर्श उत्तर : **जल को प्रदूषित करने वाले 4 कारकः—**

(I) औद्योगिक कूड़ा करकट प्रवाहित होना

(II) मलमूत्र को जल में प्रवाहित करना

(III) रसायनिक तत्वों (हानिकारक) का जल में मिलना

(IV) रंगाई का गंदा पानी जल में प्रवाहित होना

(V) अध जले शवों व मृत पशुओं को जल मे प्रवाहित करना

किसी एक कारक (जल प्रदूषण) का वर्णनः—

(1). **औद्योगिक कूड़ा — करकट का जल में विसर्जन करनाः—**

गंगा व यमुना नदियां जब क्रमशः गंगोत्री व यमुनोत्री नामक गोमुखी हिमनदो से उद्गम होती है तब वे 100% शुद्ध होती है पर जैसे ही वे दोनो नदियाँ बसावट वाले नगरों के किनारे होकर प्रवाहित होती है मानव के क्रियाकलाप व औद्योगिक कूड़ा करकट जल में विसर्जित करने से ये नदियाँ जो भारतीय संस्कृति की पहचान कही जाती है मध्य भाग तक ही पूर्ण प्रदूषित होकर ''राम तेरी गंगा मैली'' के कथन को पुष्ट करती प्रतीत होती है। जल प्रदूषित होने स`जल की मछलियां मर जाती है तथा इस प्रदूषित जल से मानव को अनेकानेक बीमारियाँ होकर उनकी जीवन लीला पर ही प्रश्न—चिन्ह लग जाता है।

(उपरोक्त जल प्रदूषण के कारक लिखकर किसी एक का वर्णन पर 4 अंक दिये जावे)

अथवा

प्रश्न 10

आदर्श उत्तरः— वायु प्रदूषण किस प्रकार :—

वायु प्रदूषण को पर्यावरण प्रदूषण का प्रमुख इकाई माना जाता है क्यों कि वायु प्रदूषण सभी प्रकार के प्रदूषणों का ''मास्टर'' है। वायुमंडल वायु प्रदूषण का प्रमुख आधार है। हमारे वायुमंडल में नाइट्रोजन 78.09% व आक्सीजन 20.95% है तथा कार्बन डाई आक्साइड 0.03% सामान्यतः पाई जाती है इसके अतिरिक्त हाइड्रोजन, आर्गन,

जिनोन, क्रिप्टान, नियोन आदि हल्की गैसें भी इस वायु मंडल का भाग है। इनके अलावा वायु मंडल में जलवाष्प एवं धूल के कण भी उपस्थित रहते है।

हमारा वायु मंडल, जैवमंडल का आवश्यक तत्व है। इसके बिना मानव एक क्षण भी जीवित नही रह सकता। सामान्यतः मनुष्य एक दिन में 22000 बार सांस (आक्सीजन) लेता है। यह आक्सीजन आज हमें कही भी शुद्ध रूप में नही मिलती है। इस आक्सीजन के साथ, सल्फर डाई आक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनो आक्साइड, धूल कण तथा ज्वालामुखी विस्फोटो से निकली हानिकारक गैसे भी सम्मिलित रहती है इन्ही विषैली गैसों से वायु प्रदूषित होती है। W.H.O.के अनुसार वायु प्रदूषण की वह स्थिति है जिसमें मनुष्य और उसके वातावरण के लिए हानिकारक तत्व प्रवेश कर जाते है।

भारत में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण तीव्र नगरीकरण एवं औद्योगीकरण की वृद्धि है। अधिक मात्रा में कूड़ा करकट, सीवर के गंदे पानी, सिगरेट बीड़ी, सिगार आदि सेवन से नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पेमाने पर कीटनाशक दवाइयाँ, अन्य रासायनिक पदार्थों का प्रयोग, खाना बनाने के लिए लकड़ी , गोबर के उपले, कोयला मिट्टी का तेल का प्रयोग वायु को प्रदूषित करते है।

औद्योगीकरण के साथ साथ परिवहन के तीव्र साधनों से निकले धुएं से वायु प्रदूषण बढ़ा है। औद्योगिक क्रांति से पूर्व वायुमंडल में दूर की मात्रा में 0.294 थी जो सन् 1980 में बढ़कर 0.334 हो गई तथा सन् 2040 तक बढ़कर यह मात्रा दोगुनी हो जायेगी जिससे ग्रीन हाउस प्रभाव बढ़कर पृथ्वी की जलवायु में परिवर्तन होगा तथा पारिस्थितिक तंत्र असंतुलित हो जायेगा।

(उपरोक्त पर पूर्ण 4 अंक दिए जावे)

उत्तर क्र.11. जनसंख्या घनत्व :— एक वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल वाली भूमि (पृथ्वी) पर जितनी जनसंख्या निवास करती है ''जनसंख्या घनत्व'' कहलाता है।

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$$

विश्व के सर्वाधिक घनत्व वाले क्षेत्र निम्नवत हैं :—

(1) द.पू. ऐशिया (विशेषकर चीन, भारत, जापान, पाकिस्तान बंगलादेश) का क्षेत्र

(2) प.यूरोप महाद्वीप

(3) यू.एस.ए. कनाडा का उ.पू. भाग

उपरोक्त क्षेत्रो का वर्णन करने पर पूर्ण (5) अंक दिए जावे।

अथवा

उत्तर क्र.11. किसी स्थान से जनसंख्या का एक भाग दूसरे स्थान पर जाकर बस जाता है तो उसे जनसंख्या का स्थानांनतरण या प्रवास कहा जाता है।

प्रवास के प्रकार

1). स्थानान्तरित की दृष्टि से

(I) अतर्महाद्वीप प्रवास

(II) अंतर्राष्ट्रीय प्रवास

(III) अंतर्राज्यीय प्रवास

(IV) स्थानीय प्रवास

2) अवधि के आधार परः— **(संक्षिप्त वर्णन)**

(I) दीर्घकालीन प्रवास

(II) मौसमी प्रवास

(III) दैनिक प्रवास

(विद्यार्थी के संक्षिप्त वर्णन करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।)

उत्तर क्र.12. प्राकृतिक रूप से उपलब्ध वस्तुओं का सीधा उपयोग न करके उनका रूप परिवर्तन कर उनकी उपयोगिता की वृद्धि करने वाली प्रक्रिया को गौण व्यवसाय या द्वितीयक यवसाय कहते है। जैसे — कपास से कपड़ा बनाना,लकडी से फर्नीचर बनाना

विशेषताएँः—

1). परिवर्तन द्वारा उपयोगिता में वृद्धि

2). उत्पादन मशीनों द्वारा

3). बहुत मात्रा में उत्पादन

4). पूंजी की आवश्यकता

5). विभिन्न प्रकार के अनुसंधान आदि

अथवा

लंकाशायर, मानचेस्टर नगर, विश्वभर में सूती वस्त्र का प्रमुख केन्द्र है इस उद्योग के केन्द्री करण के निम्न लिखित कारण है–

1). कच्चे माल की उपलब्धता

2). पूंजी की सुलभता

3). सागरीय, आर्द्र तथा शीतल जलवायु

4). कोयले के विशाल भंडार

5). कुशल श्रमिक, तकनीकी ज्ञान , मशीनों की प्राप्ती, रासायनिक पदार्थो की उपलब्धता, स्वच्छ जल की पूर्ति प्राकृतिक बंदरगाह से आयात निर्यात की सुविधा।

(संक्षिप्त वर्णन करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें)

उत्तर क्र.13 विश्व के सीमा कार मानचित्र में निम्न लिखित को दर्शाइये–

(I) ट्रास साईबेरियन रेलमार्ग

(II) पनामा नहर

(III) हिन्द महासागर

(IV) न्यूयार्क बंदरगाह

(V) पालम (इंदिरा गांधी) हवाई अड्डा (दिल्ली)

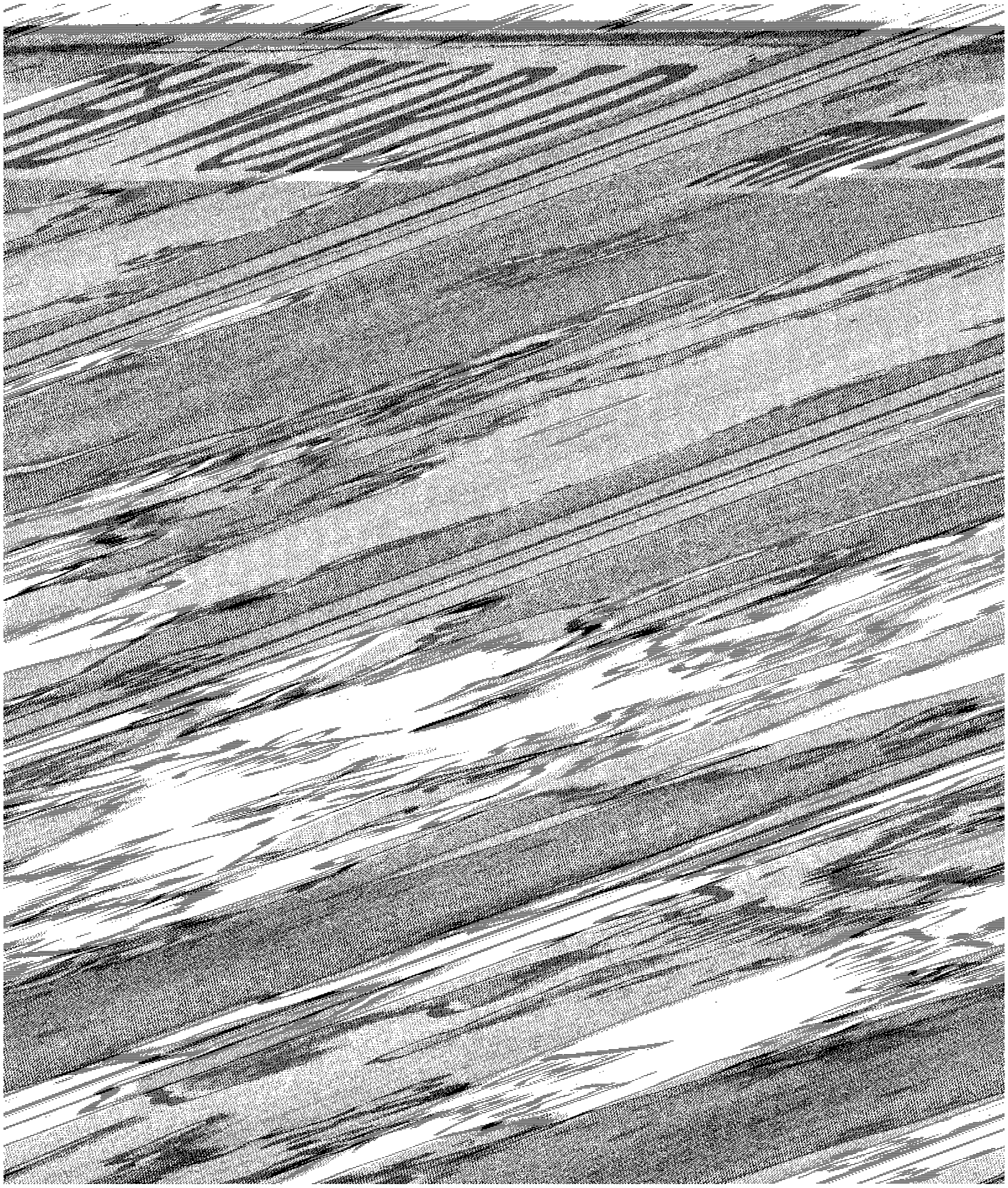

अथवा

विश्व के सीमाकार मानचित्र में प्रदर्शित करे–

(I) केनेडियन पेसोफिक रेलमार्ग

(Ii) अंध महासागर

(iii) स्वेज नहर

(Iv) लंदन बंदरगाह

(v) कालपक्कम (चेन्नई) हवाई अड्डा

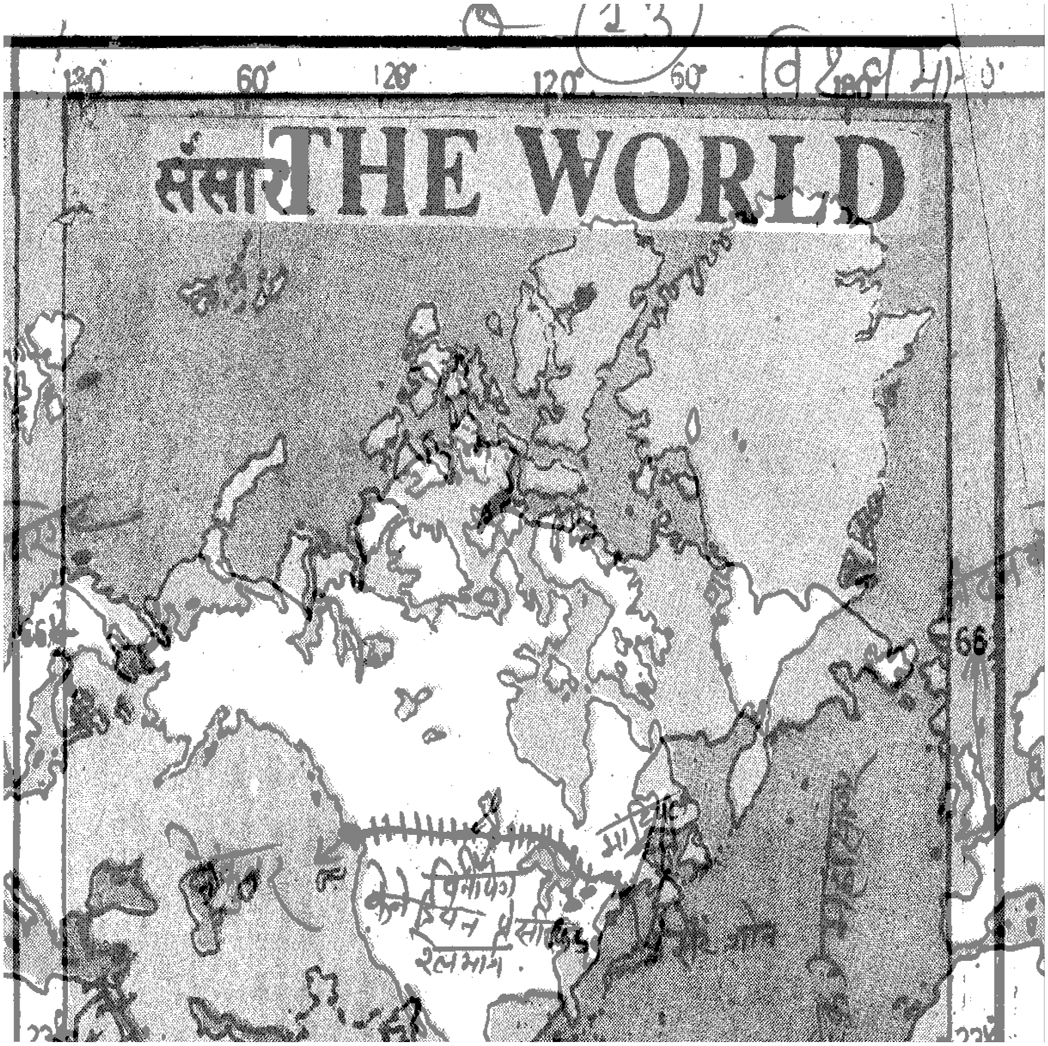

उत्तर क्र.14.

भारत में उच्च कोटी के लोह अयस्क के पर्याप्त भंडार है, ये भंडार भारत के कर्नाटक, छतीसगढ़, उड़ीसा, गोवा, झारखण्ड आदि राज्यों में है।

1). **कर्नाटक** – में लोह अयस्क की खाने चिकमंगलूर, चित्तदुर्ग, शिमोगा, तुमकुर जिले में स्थित है।

2). **छत्तीसगढ़** – दंतेवाडा जिला, बैलाडीला व दुर्ग जिला

3). **उड़ीसा –** गुरूमहिसानी सुलईपल, बादाम पहाड, किरिबुरू मेदाहबुरू तथा बोनाई है।

4). **गोवा** – साहक्वालिम, संग्यूम, क्यूयेम, सतारी, पौंडा, बिचोलिम में स्थित है।

5). **झारखंड** – सिहभूमि, पलामू, धनवाद, हजारीबाग, संथाल, परगना, तथा रांची मुख्य उत्पादक जिले है।

अन्य– महाराष्ट्र में चन्द्रपुर, रत्नागिरी, भण्डारा जिला

आध्रप्रदेश –करीमनगर , बारंगल, कर्नुल, कुडप्पा, अनंतपुर जिले है।

तमिलनाडु – तीर्थमलाई, पहाडियों, किल्ली–मलाई क्षेत्र में लौह अयस्क के भंडार है।

(संक्षिप्त वर्णन पर अंक देवे।)

अथवा

भारत में चावल उत्पादन की भौगोलिक दशाये– चावल उष्ण कटिवंधीय प्रदेशो का प्रमुख अनाज है। विश्व की लगभग आधी जनसंख्या का मुख्य भोजन चावल है।

उत्पादन की भौगोलिक दर्शाये–

1). **तापमान –** उगने के समय कम से कम 21 डिग्री से.ग्रे. तापमान फसल पकते समय 27 डि.ग्री से.ग्रे. तापमान।

2). **वर्षा –** सामान्यतः अधिक वर्षा वाले या सिचांई की सुविधा वाले क्षेत्रों में इसकी कृषि होती है। 100 से.मी. से 200 से.मी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों को इसकी कृषि के लिये अनुकूल हैं।

3). **मिट्टी** – चावल के लिए उपजाऊ चिकनी कछारी अथवा दोमट मिटटी की आवश्यकता होती है। डेल्टायी क्षेत्र नदियों के बाढ़ क्षेत्र में इसकी कृषि होती है।

4). **श्रम** – चावल की कृषि मानवीय श्रम का विशेष महत्व होता है समस्त कृषि कार्य जैसे– निदाई, गुड़ाई, रोपाई, कटाई, निजाई, आदि में श्रम की आवश्यकता पड़ती है।

5). **उत्पादन क्षेत्र** – चावल उत्पादन में भारत चीन के बाद बड़ा उत्पादक देश है। भारत में चावल के प्रमुख उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, पंजाब, उडीसा, तमिलनाडु, बिहार, तथा छतीसगढ़ मुख्य है। थोडी बहुत मात्रा में अन्य राज्यों में भी चावल उत्पादन किया जाता है।

उत्तर. क्र.15. भारत के विदेशी व्यापार की विशेषता

1). बढ़ता हुआ अंतराष्ट्रीय व्यापार
2). विदेशी व्यापार के घाटे में निरन्तर वृद्धि
3). आयात संगठन में अंतर
4). निर्यात संगठन में परिवर्तन
5). विश्व व्यापार में घटता योगदान
6). व्यापार में समुद्री मार्ग की प्रधानता
7). व्यापार की दिशा में परिवर्तन आदि

अथवा

मुंबई बंदरगाह का चित्रः–

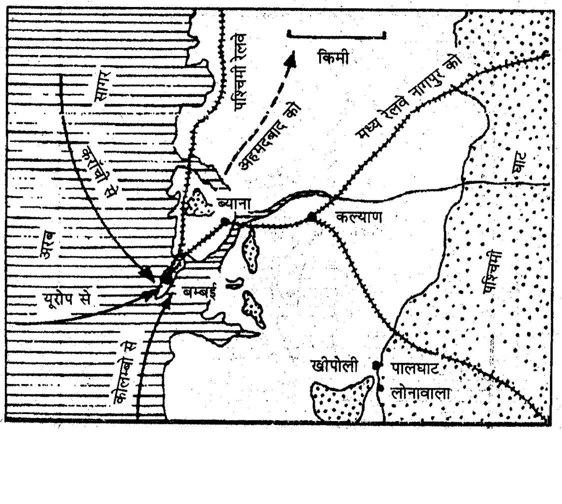

1). समृद्ध पृष्ठ प्रदेश।

2). यातायात के साधन।

3). जल–थल एवं वायु मार्ग की सुविधा।

4). औद्योगिक एवं व्यापारिक केन्द्र।

5). स्वास्थ्य वर्धक जलवायु।

6). प्राकृतिक बंदरगाह आदि।

वर्णन करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।

उत्तर. क्र.16. **भारत के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश**

1). हुगली औद्योगिक क्षेत्र।

2). दामोदर घाटी अथवा छोटा नागपुर औद्योगिक क्षेत्र (झारखण्ड राज्य)।

3). मुंबई –पूना औद्योगिक क्षेत्र।

4). अहमदाबाद–बडोदरा औद्योगिक क्षेत्र।

5). मुदरई–कोयम्बटूर–बंगलौर औद्योगिक क्षेत्र।

6). विशाखापटनम–गुँटूर प्रदेश।

7). कोलम–तिरूवनन्तपुरम प्रदेश।

अथवा

1). परम्परागत ऊर्जा संसाधन – कोयला, पेट्रोलियम, जल, विद्युत, परमाणु शक्ति आदि

2). अपरम्परागत ऊर्जा संसाधन – सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोगैस, ज्वारीय ऊर्जा, भू–तापीय ऊर्जा, हाइड्रोजन ऊर्जा, बायोडीजल, बायोमास।

वर्णन करने पर पूर्ण अंक प्रदान करें।